

Nalanda Open University
COMPARTMENTAL EXAMINATION-2008
B.A. (Hons.), Part-I
Hindi, Paper-I
(हिन्दी काव्य (प्राचीन))

Time: 3 Hrs.

Full Marks: 70

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। दसवाँ प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. कबीर कवि थे अथवा उपदेशक? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए।
2. 'पदमावत' में वर्णित नागमती के विरह-वर्णन की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
3. 'भ्रमरगीत' का साहित्यिक परिचय दीजिए।
4. हिन्दी की सतसई परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान निरूपित कीजिए।
5. विद्यापति प्रेम और सौंदर्य के कवि थे, प्रकाश डालिए।
6. घनानंद का काव्यगत वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए।
7. महाकवि घाघ की नीति संबंधी विचारों पर टिप्पणी लिखिए।
8. रहीम की भाषा-शैली की विशेषताओं को निरूपित कीजिए।
9. रहीम-काव्य में भक्ति के स्वरूप की विवेचना कीजिए।
10. किन्हीं दो अवतरणों की व्याख्या कीजिए :

(क) सन्तन जात न पूछो निगुनियाँ।

साध ब्राहमन साध छत्तरी, साधै जाती बनियाँ।

साधनमाँ छत्तीस कौम है, टेढी तोर पुछनियाँ।

साधै नाऊ साधै धोबी, साध जाति है बरियाँ।

साधनमाँ रैदास सन्त हैं, सुपच ऋषि सो भँगियाँ।

हिन्दु-तुर्क दुइ दीन बने हैं, कूछ नहीं पहचनियाँ।

(ख) नागमती चितउर पंथ हेरा। पिउ जो गए फिरि कीन्ह न फेरा।

नागरि नारि काहु बस परा। तेई बिमोहि मो सौ चितु हरा।

सुवा काल होई ले गा पिऊ। पिउ नहिं लेल लेत बरु जीऊ।

(ग) राम बचन सुनि समय समाजू। जनु जलनिधि महुँ विकल जहाजू।

सुनि गुर गिरा सुमंगल भूला। भयऊ मनहुँ मारुत अनुकूला।

पावन पर्यँ तिहुँ काल नहाहीं। जो बिलोकि अध ओध नसाहीं।

(घ) जुवति जोन्ह मैं मिलि गई, नैक न होति लखाइ।

सौंधे कैं डोरें लगी, अली चली सँग जाइ।